भारत सरकार
विदेश मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3747
दिनांक 25.03.2022 को उत्तर देने के लिए

संयुक्त राष्ट्र संघ संकल्प में उपस्थित न होना

3747. श्री के. सुधाकरन:
प्रो. सौगत राय:
श्री असादुद्दीन ओवैसी:

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा रूस पर मतदान के संबंध में आयोजित बैठकों में भारत लगातार तीन बार अनुपस्थित रहा है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या तीन बार अनुपस्थित रहने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) ने भारत को रूस से दूरी बनाए रखने के लिए कहा है:

(घ) यदि हां, तो क्या रूस और अमेरिका दोनों ही देश रक्षा, आर्थिक संबंधों और व्यापार में भारत के सामरिक भागीदार हैं;

(ङ) यदि हां, तो क्या सरकार ने संयुक्त राष्ट्र में अपने रुख के प्रभाव का आकलन किया है; और

(च) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा भविष्य के लिए क्या रणनीति बनाई गई है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्री वी. मुरलीधरन)

(क) से (च) यूक्रेन युद्ध पर भारत की स्थिति अटल और एकसमान रही है। विदेश मंत्री द्वारा 15 मार्च 2022 को संसद पटल में दिये गए वक्तव्य में भी इसका विस्तार से उल्लेख किया गया था ।

भारत ने बिगड़ती स्थिति पर गहन चिंता व्यक्त की है तथा हिंसा पर तत्काल रोक लगाने और सभी प्रकार की शत्रुता को समाप्त करने का आह्वान किया है।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और महासभा में दिये गए अपने वक्तव्यों में तत्काल युद्ध रोकने और फंसे हुए नागरिकों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

इस गंभीर मानवीय आपदा की स्थिति को देखते हुए भारत, यूक्रेन और इसके पड़ोसी देशों को पहले ही 90 टन से अधिक मानवीय आपूर्ति भेज चुका है।

प्रधानमंत्री ने रूसी संघ और यूक्रेन दोनों के नेताओं को अवगत करा दिया है कि कूटनीति और बातचीत के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है। भारत ने अपने वक्तव्यों में भी यह दोहराया है कि वैश्विक व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों और क्षेत्रीय अखंडता और देशों की संप्रभुता के सम्मान पर आधारित है।

यूक्रेन युद्ध के संबंध में भारत के दृष्टिकोण पर संयुक्त राज्य अमेरिका सहित अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ भी चर्चा की गई है।

***